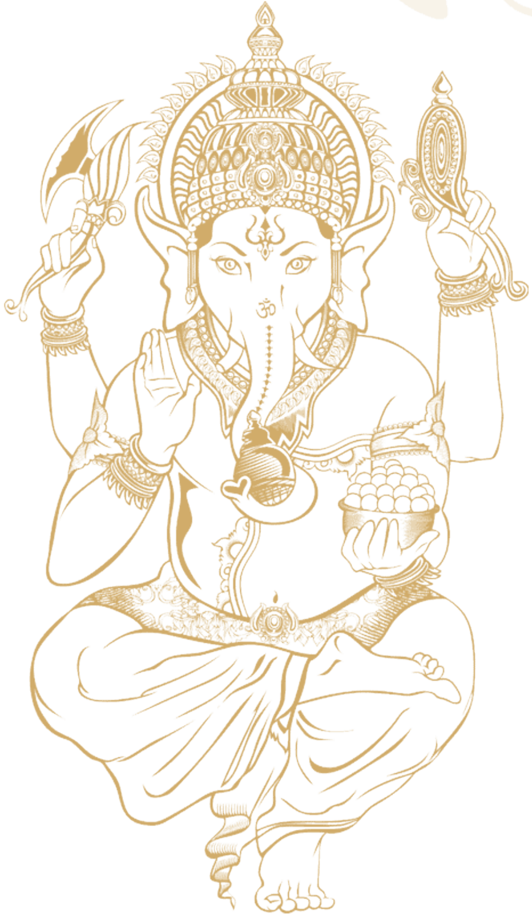

Amisha Jakhar

15 Apr 1991

07:49 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119805902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/04/1991**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:49:00 घंटे**
इष्ट	34:40:45 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:27:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:50 घंटे
सूर्योदय	05:56:41 घंटे
सूर्यास्त	18:46:28 घंटे
दिनमान	12:49:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:22:40 मेष
लग्न के अंश	15:40:14 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:40:14	309:12:53	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	01:22:40	00:58:46	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मेष	11:47:50	14:26:36	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	13:01:26	00:32:50	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मेष	00:07:01	00:44:24	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
गुरु			कर्क	10:12:44	00:02:59	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			वृष	09:18:11	01:10:22	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि			मक	12:17:56	00:03:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	29:28:37	00:11:27	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	29:28:37	00:11:27	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	20:04:24	00:00:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	23:01:22	00:00:07	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	25:54:42	00:01:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	19:00:21	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:22

लग्न-चलित

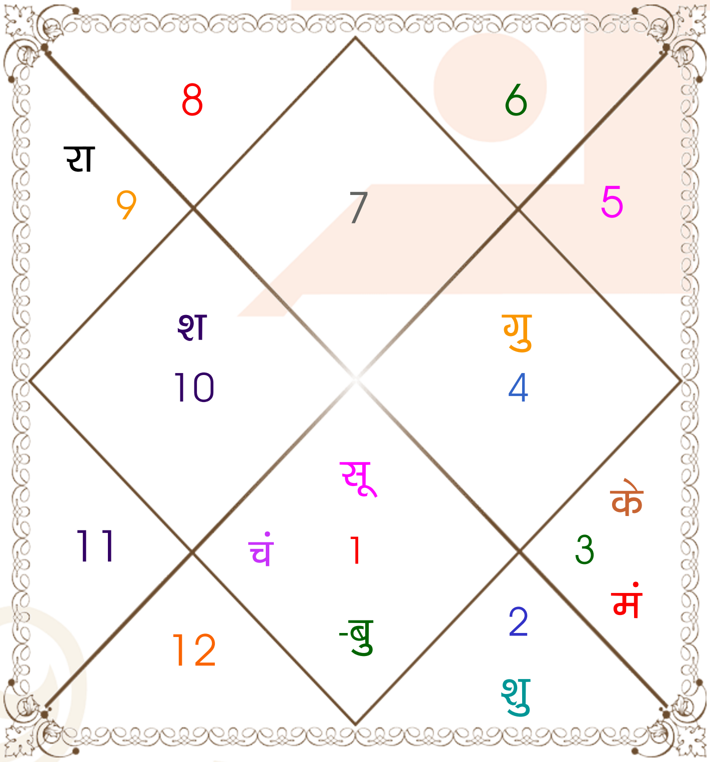

चन्द्र कुंडली

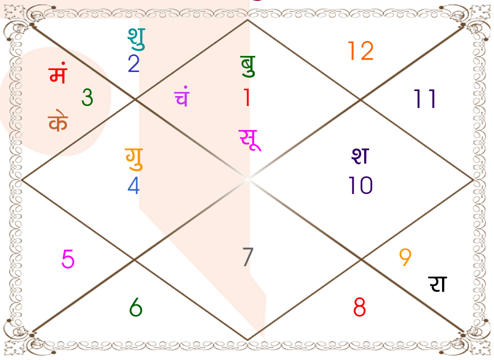

नवमांश कुंडली

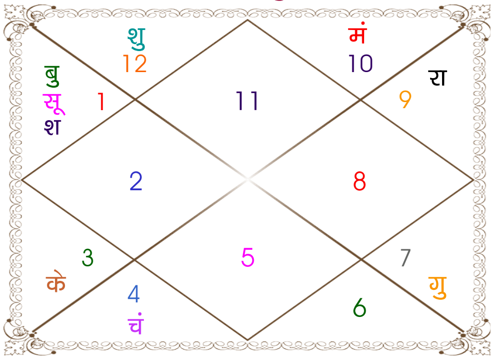

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 9 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/04/1991		04/02/1992		04/02/2012		03/02/2018		04/02/2028	
04/02/1992		04/02/2012		03/02/2018		04/02/2028		04/02/2035	
	00/00/0000	शुक्र	05/06/1995	सूर्य	23/05/2012	चंद्र	05/12/2018	मंगल	02/07/2028
	00/00/0000	सूर्य	05/06/1996	चंद्र	22/11/2012	मंगल	06/07/2019	राहु	21/07/2029
	00/00/0000	चंद्र	03/02/1998	मंगल	30/03/2013	राहु	04/01/2021	गुरु	26/06/2030
	00/00/0000	मंगल	06/04/1999	राहु	22/02/2014	गुरु	06/05/2022	शनि	05/08/2031
	00/00/0000	राहु	05/04/2002	गुरु	11/12/2014	शनि	05/12/2023	बुध	01/08/2032
	00/00/0000	गुरु	04/12/2004	शनि	23/11/2015	बुध	05/05/2025	केतु	29/12/2032
	00/00/0000	शनि	04/02/2008	बुध	28/09/2016	केतु	05/12/2025	शुक्र	28/02/2034
	15/04/1991	बुध	05/12/2010	केतु	03/02/2017	शुक्र	05/08/2027	सूर्य	06/07/2034
बुध	04/02/1992	केतु	04/02/2012	शुक्र	03/02/2018	सूर्य	04/02/2028	चंद्र	04/02/2035

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/02/2035		03/02/2053		03/02/2069		04/02/2088		04/02/2105	
03/02/2053		03/02/2069		04/02/2088		04/02/2105		16/04/2111	
राहु	17/10/2037	गुरु	24/03/2055	शनि	07/02/2072	बुध	03/07/2090	केतु	03/07/2105
गुरु	11/03/2040	शनि	05/10/2057	बुध	17/10/2074	केतु	30/06/2091	शुक्र	02/09/2106
शनि	16/01/2043	बुध	11/01/2060	केतु	26/11/2075	शुक्र	30/04/2094	सूर्य	08/01/2107
बुध	05/08/2045	केतु	16/12/2060	शुक्र	26/01/2079	सूर्य	06/03/2095	चंद्र	09/08/2107
केतु	23/08/2046	शुक्र	17/08/2063	सूर्य	07/01/2080	चंद्र	05/08/2096	मंगल	05/01/2108
शुक्र	23/08/2049	सूर्य	05/06/2064	चंद्र	08/08/2081	मंगल	02/08/2097	राहु	23/01/2109
सूर्य	18/07/2050	चंद्र	05/10/2065	मंगल	17/09/2082	राहु	19/02/2100	गुरु	30/12/2109
चंद्र	17/01/2052	मंगल	11/09/2066	राहु	24/07/2085	गुरु	28/05/2102	शनि	08/02/2111
मंगल	03/02/2053	राहु	03/02/2069	गुरु	04/02/2088	शनि	04/02/2105	बुध	16/04/2111

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।